

छनक स्त्री. (अनु.) 1. छन-छन करने का शब्द, झनझनाहट, झनकार 2. किसी आशंका से चौंक कर भागने की क्रिया, भड़क।

छनकाना स.क्रि. (देश.) 1. पानी या किसी तरह पदार्थ को आग पर रखकर गरम करना 2. फेंकना, छोड़ना, छटकाना 3. रुपए पैसे जैसी वस्तु को हिलाडुलाकर छन्-छन्, झन्-झन् शब्द उत्पन्न करना 5. चौंकाना, चौकन्न करना, भड़काना।

छनछनाना अ.क्रि. (अनु.) 1. छन-छन की आवाज होना, झनकार होना 2. जलन का अनुभव होना, चुनचुनाना।

छनन-मनन पुं. (अनु.) कड़कड़ाते घी-तेल आदि में किसी गीली वस्तु या पानी के पड़ने से आवाज होना।

छनना अ.क्रि. (देश.) 1. छानने की क्रिया होना 2. छोटे-छोटे छिद्रों से होकर निकलना जैसे- पेड़ की पत्तियों के बीच से धूप छन-छन कर आ रही है 3. नशीली वस्तु पीना जैसे- होली पर खूब भाँग छनती रही मुहा. गहरी छनना- खूब मेल जोल होना, गाढ़ी मैत्री होना जैसे- उन दोनों में आजकल खूब छन रही है 4. छेदों से युक्त होना, छलनी हो जाना जैसे- यह कपड़ा पहनते पहनते छनना हो गया है 5. बिंध जाना, अनेक स्थानों पर चोट खाना प्रयो. युद्ध में उसका सारा शरीर छन गया है 6. निर्णय होना, छानबीन होना प्रयो. कोर्ट में सारा केस छन गया है पुं. छनने की वस्तु तरल या अन्य प्रकार के वस्तु को छानने का साधन (महीन कपड़ा)।

छननी स्त्री. (देश.) छेददार वस्तु जिसमें कोई वस्तु छानी जाए, चलनी।

छन भंगुर वि. (तद्.) अनित्य, नाशवान, क्षणभंगुर।

छनभर वि.क्रि. (तद्.) थोड़ी देर, एक क्षण।

छनाना स.क्रि. (देश.) 1. छनवाना 2. नशा आदि पिलाना।

छनिक वि. (तद्.) क्षणिक।

छन् पुं. (तद्.) 1. पर्व का समय, पुण्यकाल 2. उत्सव 3. नियम 4. मुहूर्त 5. काल, समय स्त्री. जलती या तपती वस्तु पर पानी पड़ने से उत्पन्न ध्वनि छनक, घुँघरू आदि के बजने की आवाज, झनकार।

छन्न वि. (तद्.) 1. ढका हुआ, आवृत्त, आच्छादित 2. लुप्त, गायब, अदृश्य पुं. 1. एकांत स्थान, गुप्त स्थान 2. हाथ में पहनने का एक गहना।

छप स्त्री. (देश.) 1. पानी में किसी वस्तु के जोर से गिरने की 'छप' ध्वनि 2. छप की आवाज बार-बार होना वि. गायब, लुप्त, अस्पष्ट।

छपक स्त्री. (अनु.) 1. छिपने या दुबकने की स्थिति 2. तलवार आदि के चलने की आवाज 3. 'छपक-छपक' की आवाज।

छपकना अ.क्रि. (देश.) 1. पतली कमची से किसी को मारना, पतली छड़ी से किसी को पीटने की क्रिया। 2. तलवार के आघात से किसी वस्तु को काटना, छिन्न करना 3. जल में हाथ-पैर चलाकर छप-छप की आवाज करना।

छपका पुं. (देश.) 1. सिर में पहनने का स्त्रियों का एक गहना 2. पतली कमची, पतली छड़ी 3. खुरपका 4. पानी का छींटा 5. कबूतर को फँसाने वाला जाल 5. पानी में हाथ पैर मारने से उत्पन्न शब्द 6. दाग, धब्बा 7. छापा।

छपछपाना अ.क्रि. (अनु.) 1. पानी पर कोई वस्तु जोर से पटक कर छप-छप शब्द उत्पन्न करना, पानी पर हाथ-पाँव पटकना 2. तैरने के लिए पानी में हाथ-पैर मारना प्रयो. वह तालाब में तैरता थोड़े ही है, बस यूँ ही छपछपा लेता है।

छपटना अ.क्रि. (देश.) 1. चिपकना, किसी वस्तु से लगना या सटना 2. आलिंगित करना।

छपटाना स.क्रि. (देश.) 1. चिपकाना, चिपटाना 2. छाती से लगाना, हृदय या गले से लगाना स्त्री. लकड़ी का टुकड़ा जो छीलने से निकले।

छपटी वि. (देश.) दुबला, पतला, कृश।